Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to take steps to regularise unauthorized colonies in Delhi.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली): माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे एक बहुत ही सेन्सिटिव विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद दूंगा ।

सर, दिल्ली के अंदर दो करोड़ की आबादी रहती है । यहां 20 लाख लोग अनियमित कॉलोनियों में रहते हैं । पिछले 25 सालों से ये कॉलोनियाँ नियमित नहीं हुई हैं । उनमें सरकार कोई बेसिक अमेनिटीज़ नहीं देती है । यह राज्य सरकार का विषय होता है । एक बार वर्ष 2008 में एक ऐसी नौटंकी हुई, माननीय सोनिया जी बैठी हैं, इन्होंने एक बार रामलीला मैदान में प्रोविज़नल सर्टिफिकेट उन कॉलोनियों के लिया बाँट दिया था कि हम इनको पास करेंगे । वह वर्ष 2008 का चुनाव झांसा देकर जीत गए थे । अभी के मुख्य मंत्री ने भी वही नौटंकी की कि मैं उन कॉलोनियों को पास कर दूंगा ।…(व्यवधान) वहां पर 1639 कॉलोनियां हैं, जिनमें 20 लाख लोग रहते हैं।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा कोई विषय हो तो मुझे बताइए ।

…(व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : सर्टिफिकेट बांटे हैं ।…(व्यवधान) …* सर्टिफिकेट बांटे हैं ।…(व्यवधान) मना कर दें । **…**(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, मैंने व्यवस्था दे दी है ।

श्री रमेश बिधूड़ी: …(व्यवधान) कि हम तुम्हारी कॉलोनी को पास कर देंगे ।**…**(व्यवधान) वहां पर बीस लाख लोग रहते हैं । यह राज्य सरकार का इश्यू है ।…(व्यवधान) सर, लोग हमसे उम्मीद करते हैं कि जैसे लोग कहते हैं कि थानेदार से काम नहीं चला रहा है, एसीपी के पास चले जाओ ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने व्यवस्था दे दी है ।

…(व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी: लोग कहते हैं कि वे तो विधायक हैं, आप सांसद हैं, उनसे बड़े हैं ।**…**(व्यवधान) यहां पर विकास कराओ ।**…**(व्यवधान) वहां केन्द्र सरकार का पैसा नहीं लगता है ।**…**(व्यवधान) सर, उन कॉलोनियों के अंदर देश की राजधानी में लोग रोजी-रोटी के लिए आए हैं । **…**(व्यवधान) सर, बहुत सेंसेटिव विषय है । कृपया थोड़ा टाइम दीजिए ।**…** (व्यवधान) सर, यह बीस लाख लोगों के जीवन का सवाल है ।…(व्यवधान) केन्द्र सरकार के माननीय मंत्री श्री हरदीप पुरी जी ने चीफ सेक्रेटरी, मंत्री जी को बुलाया था और 4 साल पहले कहा था कि उसका ले-आउट प्लान बनाया जाए ।… (व्यवधान) सर, 30 सेकेंड में अपनी बात समाप्त कर रहा हूं ।…(व्यवधान) उनका ले-आउट प्लान बनाया जाए । … (व्यवधान) इस सरकार ने, ... * ने दो साल तक ले-आउट प्लान नहीं बनाया । …(व्यवधान) दो साल बाद फिर कहा कि इसका ले-आउट प्लान बनाइए ।…(व्यवधान) इन कॉलोनियों में विकास करना है ।…(व्यवधान) दो साल बाद उन्होंने कहा कि हमें दो साल का समय और दो ।…(व्यवधान) सर, लोग समझते हैं कि केन्द्र सरकार के पास यह मामला है ।…(व्यवधान) मेरी रिक्वैस्ट है कि केन्द्र सरकार चीफ सेक्रेटरी को बुलाए।…(व्यवधान) केन्द्र सरकार चीफ सेक्रेटरी को बुलाकर, दिल्ली एनसीटी है, राष्ट्रीय राजधानी है, इसलिए इंटरफेरेंस करने के बाद…(व्यवधान) माननीय उपराज्यपाल जी सीधा देखें व इन कालोनियों को पास करवाने की कार्यवाही करवाई जाए ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्रीमती मीनाक्षी लेखी एवं श्री नारणभाई काछड़िया को श्री रमेश बिधूड़ी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बार-बार मत उठा करें । माननीय सदस्य, मैं आपको फिर कह रहा हूं ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज माननीय सदस्य, मैं आपको सदन में दूसरी बार कह रहा हूं । बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य बैठ जाइए । Please sit down.

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप भी बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : डॉ. ए. चैल्ला कुमार । किसी और की बात अंकित नहीं होगी ।

…(*Interruptions*) ... *

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट, कोई भी माननीय सदस्य आपस में डिबेट न करे । माननीय सदस्य प्लीज बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)